



डॉ. मोहन चावढ
मुरखमनी, मध्यप्रदेश



धर्मेन्द्र सिंह लोधी
राज्य मंत्री (राजतंत्र प्रभाग)
संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्सास और धर्मरंध

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, म.प्र. संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग
के तत्वावधान में
फुलवारी के अंतर्गत

शाम-ए-सूफ़ियाना में



प्रख्यात क़व्वाल हाजी मुकर्रम वारसी
प्रस्तुति देंगे।

22 जुलाई 2024 को शाम 7:30 बजे

भोपाल की ऐतिहासिक धरोहर
गोलघर
शाहजहाँनाबाद, भोपाल
में आयोजित कार्यक्रम में

आप सादर साग्रह आमंत्रित हैं.

क़व्वाल हाजी मुकर्रम वारसी

डॉ. नुसरत मेहदी,
निदेशक

सहयोग : पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय

कव्वाली

मप्र उर्दू अकादमी ने सजाई कव्वाली की महफिल; शाम-ए-सूफियाना

यादगार सूफी कव्वाली महफिल का गवाह बना गोलघर

पत्रिका plus रिपोर्टर
patrika.com

भोपाल. संगीत की मधुर धुनों और सूफी कलामों से गुंजता ऐतिहासिक गोलघर सोमवार रात एक यादगार कव्वाली महफिल का गवाह बना। मौका था मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, मप्र संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग के तत्वावधान में शाम-ए-सूफियाना में कव्वाली के आयोजन का। प्रसिद्ध कव्वाल मुकर्रम वारसी ने अपनी आवाज का जादू बिखेरा और श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने ईश्वर की महिमा और पैगंबर मुहम्मद के प्रति श्रद्धा का वर्णन कव्वाली से खूबसूरती से रचा।



छाप तिलक सब छीनी रे... पर झूमे श्रोता

महफिल की शुरुआत मन कुन्तो मौला... कव्वाली से हुई। इसके बाद ताजदार-ए-हरम... हो निगाह-ए-करम कव्वाली पेश की गई। ताजदार-ए-हरम में हजरत मुहम्मद के प्रति गहरी आस्था और श्रद्धा को व्यक्त किया। इसी सिलसिले में छाप तिलक सब छीनी रे मोसे नैना भिलाइ के..., नमी-दानम चे मंजिल बूद शब जाए कि मन बूदम और दिले उम्मीद तोड़ा है किसी ने की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के अंत में डॉ. नुसरत मेहदी ने आभार व्यक्त किया।

सूफियाना कव्वाली को पसंद करते हैं भोपाली

मशहूर कव्वाल मुकर्रम वारसी ने पत्रिका से हुई खास बातचीत में कहा कि भोपाल के लोगों को कव्वाली महफिल का बहुत शौक है। यहां कव्वाली प्रेमी सूफियाना को अधिक पसंद करते हैं। सूफियाना कव्वाली आध्यात्मिकता, प्रेम, भक्ति, संस्कृति, सामाजिक सद्भाव, शिक्षा और मनोरंजन का एक शक्तिशाली माध्यम है। आज की इस महफिल में मन कुन्तो मौला... और ताजदार-ए-हरम... हो निगाह-ए-करम जैसी विश्व भर में पसंद की जाने वाली कव्वाली प्रस्तुति की है।

लनालय कलकट कर सकत ह।

एक प्रमुख सलाहकार बताया ह।

कटाक्ष करता नजर आया। इसम दिखाया कि किस

लड़ाकया का पुरुष का क्रदर नभान का माका दिया।

संस्कृति विभाग और उर्दू अकादमी के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में हाजी मुकर्रम वारसी ने सुनाई कव्वाली शाम-ए-सूफियाना में जैसे गोलघर भी रक्स कर रहा था

स्पेशल कवरेज

बद्र वास्ती
रंगकर्मी व शायर

सुरीली यह आवाज उस
शौख की सी, इलाही यह
जलसा कहाँ हो रहा है।

भोपाल। शाहजहानाबाद में बने ऐतिहासिक गोलघर की सूफी रंग में रंगी दीवारों और खुलंद शाही मेहराबों के दरमियान जब सोमवार को यह बोल गूँजे, तो वहाँ मौजूद सूफी कलाम के चाहने वालों को यह एहसास हुआ कि वह शायद किसी सूफी की खानकाह में हाज़िर हैं। आज यह गोलघर जिसे भोपाल की तीसरी महिला शासक नवाब शाहजहां बेगम ने बड़े शौक से अपने दफ्तर के लिए बनवाया था और जो कभी गुलशन-ए-आलम के नाम से जाना जाता था।



यहाँ की पर्शियन शैली के बाग जन्नत बाग कहलाते थे। आज लंबे वक्त के बाद नई जिंदगी पा कर इस सूफियाना माहौल में सूफी रक्स कर रहा है। मौका था मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग की उर्दू अकादमी द्वारा पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय के सहयोग से आयोजित शाम-ए-सूफियाना का। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी की निदेशक डॉक्टर नुसरत मेहदी ने बताया कि सूफियाना कव्वाली की महफिल फुलवारी कार्यक्रम के सिलसिले का हिस्सा है, जिसके तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

आज की शाम-ए-सूफियाना में प्रख्यात कव्वाल हाजी मुकर्रम वारसी ने अपने साथियों के साथ कव्वालियां पेश करते हुए शाम का आगाज मशहूर सूफी कलाम 'मन कुंतो मौला से किया...' और बीच-बीच में बंद लगाकर कव्वाली को असरदार बनाया।

जब उन्होंने सुनाया-
सुरीली यह आवाज उसे शौख की सी,
इलाही यह जलसा कहाँ हो रहा है,
फिर आगे सुनाया... बने सूफी जज्वात में बहने वाले
कलंदर बने इश्क में जलने वाले

कुतुब बन गए दर्द ओ गम सहने वाले
वली बन गए या अली कहने वाले....

तो सूफी रंग और गहरा महसूस हुआ। आज की महफिल की खास बात यह रही कि मौके के हिसाब से मौसम भी साथ देता महसूस हुआ। हालांकि, बरसात हो रही थी, लेकिन सूफी कलाम के शौदा सुनने वाले बड़ी तादाद में महफिल का हिस्सा बनने चले आ रहे थे। बरसात की वजह से महफिल बाहर के बजाय गोलघर के अंदरूनी हिस्से में आयोजित हुई, लेकिन एक वक्त ऐसा भी आया कि लोग खड़े होकर कलाम सुन रहे थे, क्योंकि बैठने की जगह खत्म हो चुकी थी। मुकर्रम वारसी ने गुरु पूर्णिमा को ध्यान में रखकर गुरुओं को प्रणाम करते हुए कहा कि

गुरु दर्शन भगवान का दर्शन
गुरु बिन ज्ञान नहीं भई साधु
गुरु ने राह बताई रे..।

मप्र उर्दू अकादमी की जानिब से मुकर्रम वारसी ने दीं यादगार प्रस्तुतियां

ताजदारे हरम हो
निगाहे करम...
ने जीता दिल

गोलघर में सूफियाना कलाकारों की कव्वालियों से सजी महफिल



हरिभूमि न्यूज भोपाल

भाषा, साहित्य, संस्कृति, कला, शिल्पकला, रोजगार के लिए प्रतिबद्ध : डॉ. नुसरत

मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि मध्य प्रदेश शसन भाषा, साहित्य, संस्कृति, कला, शिल्पकला, दस्तकारी, महिला सशक्तिकरण, रोजगार इत्यादि के विकास एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। अतः कलाकारों को मंच भी मिले और लोग प्रदेश की ऐतिहासिक विरासतों के महत्व व उनके संरक्षण के प्रति

जागरूक भी हों इस उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए। कार्यक्रम के अंत में डॉ. नुसरत मेहदी ने सहयोग के लिए संचालनालय पुरातत्व, अमिलेखागार एवं संवाहलय का तथा सभी श्रोताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में संचालनालय पुरातत्व, अमिलेखागार एवं संवाहलय की ओर से पुरातत्व विद डॉ. अहमद अली विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मुकर्रम वारसी ने पेश किए कलाम

महफिले कव्वाली में मुकर्रम वारसी ने जो कलाम पेश किए। कव्वाली से सजी शाम में लोगों ने जब मन कुन्तो मीला... सुना तो तालिय से स्वागत किया, उसके बाद ताजदारे हरम हो निगाहे करम... की प्रस्तुति पर लोगों ने जम्कर तालिया बजाई... वहीं गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु दर्शन की प्रस्तुति ने मकित का माहौल बना दिया। छाप शिलक सब छीनी रे मोसे नैला मिलाइ कै... पर लोगों ने वाह क्या वात है, वही नैम-दानम ये मजिल बूद शब जाए कि मन बूदम... पर तालिया बजाई, उसके बाद दिले उम्मीद तोड़ा है किसी ने... पर शाम को पूरी तरह से कव्वाली से सजा दिया।

कला केंद्र के रूप में विकसित होगा गोलघर



पुरातत्व विभाग द्वारा गोलघर को बहु उद्देश्य कलाकेंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य संगीत, महिलाओं का सशक्तिकरण, रोजगार तथा स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहन देना है।

महिलाओं को बहुत पसंद आए बटुए

गोलघर में कई स्टॉल लगाए गए, जिसमें कपड़ों को देखना लोगों को काफी पसंद आया। इसके अलावा लेनों को बटुआ बहुत पसंद किया गया। गौस्तलब है कि बटुआ भोपाल की ऐतिहासिक पहचान भी है। जिसकी शोपिंग हर मेले में महिलाएं सबसे ज्यादा करती नजर आती है। बटुए में कई तरह के सितारे, मोती आदि देखने को मिलते हैं, जो इसको खूबसूरत भी बना देता है।



Image

Text

उर्दू अकादमी द्वारा
शाम-ए-सूफियाना
का आयोजन

‘छाप तिलक सब छीनी’ के साथ सूफियाना हुई गोलघर की शाम

रिपोर्टर • IamBhopal

Mobile no. 6266349352

शाहजहाँनाबाद स्थित बेगम कालीन गोलघर में अब फिर से रीनक नजर आने लगी है। अब यहां पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन भी किए जा रहे हैं। अब गोलघर को बहुआयामी कला केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके अलावा यहां पर लाइब्रेरी को स्थापित करने की योजना भी बनाई जा रही है। सोमवार को मद्र उर्दू अकादमी, मद्र संस्कृति परिषद् के तत्वावधान में गोलघर परिसर में आयोजित शाम-ए-सूफियाना में कव्वाल हाजी मुकर्रम वारसी ने प्रस्तुति दी। उन्होंने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत मन कुन्तो मौला... से की। इसके बाद गुरु दर्शन पेश किया। छाप तिलक सब छीनी..., फारसी में सूफियाना नमी दानम... और आखिर में दिले उम्मीद तोड़ा है किसी ने... की प्रस्तुति दी। गोलघर के रिनोवेशन के बाद मार्च में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उद्घाटन किया था। सोमवार को यहां पर भोपाली हाट का आयोजन भी किया गया।



गोलघर में आयोजित शाम-ए-सूफियाना में कव्वाली पेश करते कलाकार।

पीपुल्स समाचार

रिसर्च सेंटर व लाइब्रेरी
भी बनाई जाएगी

गोलघर को बहुआयामी कला केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके बाद गोलघर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजनों के साथ ही एग्जीक्यूशन के आयोजन भी हो सकेंगे। साथ ही गोलघर के परिसर में एक संग्रहालय और अनुसंधान केंद्र बनाया जाएगा। यहां पर पुस्तकालय को स्थापित करने की योजना भी बनाई जा रही है।

- डॉ. अहमद अली,
प्रभारी, गोलघर म्यूजियम

दो साल पहले शुरू किया परफ्यूम बनाना

आंत्रिप्रेन्योर शाहीन खान ने बताया कि मुझे पहले से ही परफ्यूम बनाने का शौक था और घर के लिए खुद से ही परफ्यूम बनाती रहती थी। पिछले दो साल से इसी काम को प्रोफेशनल रूप से करने लगी। अब घर पर ही परफ्यूम बनाकर बेवती हूँ और विभिन्न कार्यक्रमों में स्टॉल भी लगाती हूँ।



पीपुल्स समाचार

रेजन आर्ट और जरदोजी वर्क रहा खास

वूमैन एजुकेशनल एम्पावरमेंट सोसायटी द्वारा कार्यक्रम में भोपाली हाट का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न प्रकार की सामग्री के 15 स्टॉल लगाए गए। इनमें बाघ प्रिंट, रेजन आर्ट के साथ ही अचार-पापड़ के स्टॉल भी शामिल थे। इस दौरान कपड़े पर जरदोजी के वर्क से तैयार किए गए उत्पादों में बैग, पर्स के साथ ही लेडीज ड्रेस शामिल रही।



पीपुल्स समाचार



सब कहने का सहरा और सलीका

राज एक्सप्रेस



ऐतिहासिक धरोहर गोलघर में गूंजी सूफियाना कव्वाली

छाप तिलक सब छीनी रे मोसे नैना मिलाइ के...

**दमदार
प्रस्तुतियाँ
ने लूटी
वाहवाही****भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क**

मन कुन्तो मौला..., छाप तिलक सब छीनी रे मोसे नैना मिलाइ के... जैसी दमदार कव्वालियों की गूंज सोमवार को ऐतिहासिक धरोहर गोलघर में सुनाई दी। मौका था शाम-ए-सूफियाना में कव्वाली कार्यक्रम के आयोजन का। कार्यक्रम में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर खास गुरु दर्शन की प्रस्तुति भी दी गई। जिसमें मुकर्रम वारसी व साथियों ने सूफियाना कव्वाली की प्रस्तुति दी। इसके बाद कलाकारों ने दिले उम्मीद तोड़ा है किसी ने आदि कव्वाली प्रस्तुत कर वाहवाही बटोरी। इसके अलावा कार्यक्रम में भोपाल के कारीगरों ने स्टॉल लगाकर अपने हुनर का प्रदर्शन किया। यह आयोजन मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, मप्र संस्कृति परिषद संस्कृति विभाग के तत्वावधान में फुलवारी के अंतर्गत संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय के सहयोग से



किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. नुसरत मेहदी ने सहयोग के लिए संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय का

और श्रोताओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पुरातत्व विद डॉ. अहमद अली विशेष रूप से उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि पुरातत्व विभाग द्वारा गोलघर को बहु उद्देशीय कलाकेन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य संगीत, महिलाओं का सशक्तिकरण, रोजगार और स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहन देना है। उपरोक्त उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा शामे सफियाना कार्यक्रम आयोजित किया गया।



रिमझिम फुहारों के बीच गोलघर में महकी सूफियाना गजलें... ताजदार ए हरम से लेकर सांसों की माला तक गूँजे

भोपाल। ऐतिहासिक धरोहर गोलघर अपने कायाकल्प के साथ अब खूबसूरत नजारा लिए लोगों को आकर्षित कर रहा है। ऐसे में सावन माह की फुहारों के बीच यहाँ सूफियाना गजलों का दौर चला तो गोलघर एक नए स्वरूप से भर गया। मप्र संस्कृति विभाग द्वारा पुरातत्व विभाग के समन्वय से सजाई गई इस सूफियाना महफिल में देर रात तक लोग झूमते रहे।

प्रदेश के मशहूर कव्वाल मुकर्रम वारसी ने अपनी टीम के साथ जब, ताजदार ए हरम... के साथ अपनी प्रस्तुति शुरू की तो श्रोताओं पर सूफियाना सुरूर छाने लगा। इसके बाद गुरु पूर्णिमा पर खास गुरु दर्शन से वाहवाही भी मिली। दौर चला तो छाप तिलक..., सांसों की माला पे..., दिल ए उम्मीद तोड़ा है किसी ने... भी फिजाओं में लहराए और लोगों का झूमना जारी रहा।



मनोरंजन भी उत्साहवर्धन भी

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी निदेशक डॉ नुसरत मेहदी ने बताया कि मप्र संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग के तत्वावधान में फुलवारी के अंतर्गत शाम-ए-सूफियाना में कव्वाली एवं

भोपाल हाट का आयोजन

किया गया था। आयोजन में संचालनालय पुरातत्त्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय का विशेष सहयोग रहा। डॉ मेहदी ने कहा कि मध्य प्रदेश शासन भाषा, साहित्य, संस्कृति, कला,

शिल्पकला, दस्तकारी, महिला सशक्तिकरण, रोजगार इत्यादि के विकास एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। अतः कलाकारों को मंच भी मिले और लोग प्रदेश की ऐतिहासिक विरासतों के महत्व व उनके संरक्षण के प्रति जागरूक भी हों, इस उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए गोलघर में सूफियाना कव्वाली व हाट का आयोजन किया गया है। उपरोक्त उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा शाम ए सूफियाना कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुकर्रम वारसी व साथियों द्वारा सूफियाना कव्वाली की प्रस्तुति की गई एवं भोपाल के कारीगरों द्वारा स्टॉल लगाकर अपने हुनर का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में संचालनालय पुरातत्त्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय की ओर से पुरातत्त्व विद डॉ अहमद अली विशेष रूप से उपस्थित थे।

गोलघर में महकी सूफियाना गजलें... ताजदार ए हरम से लेकर सांसों की माला तक गूंजे

भोपाल (दस्तक)।

ऐतिहासिक धरोहर गोलघर अपने कायाकल्प के साथ अब खूबसूरत नजारा लिए लोगों को आकर्षित कर रहा है। ऐसे में सावन माह की फुहारों के बीच यहां सूफियाना गजलों का दौर चला तो गोलघर एक नए स्वरूप से भर गया। मप्र संस्कृति विभाग द्वारा पुरातत्व विभाग के समन्वय से सजाई गई इस सूफियाना महफिल में देर रात तक लोग झूमते रहे। प्रदेश के मशहूर कव्वाल मुकर्रम वारसी ने अपनी टीम के साथ जब, ताजदार ए हरम... के साथ अपनी प्रस्तुति शुरू की तो श्रोताओं पर सूफियाना सुरूर छाने लगा। इसके बाद गुरु पूर्णिमा पर खास गुरु दर्शन से वाहवाही भी मिली। दौर चला तो छाप तिलक..., सांसों की माला पे..., दिल ए उम्मीद तोड़ा है किसी ने... भी फिजाओं में लहराए और लोगों का झूमना जारी रहा।



मनोरंजन भी उत्साहवर्धन भी

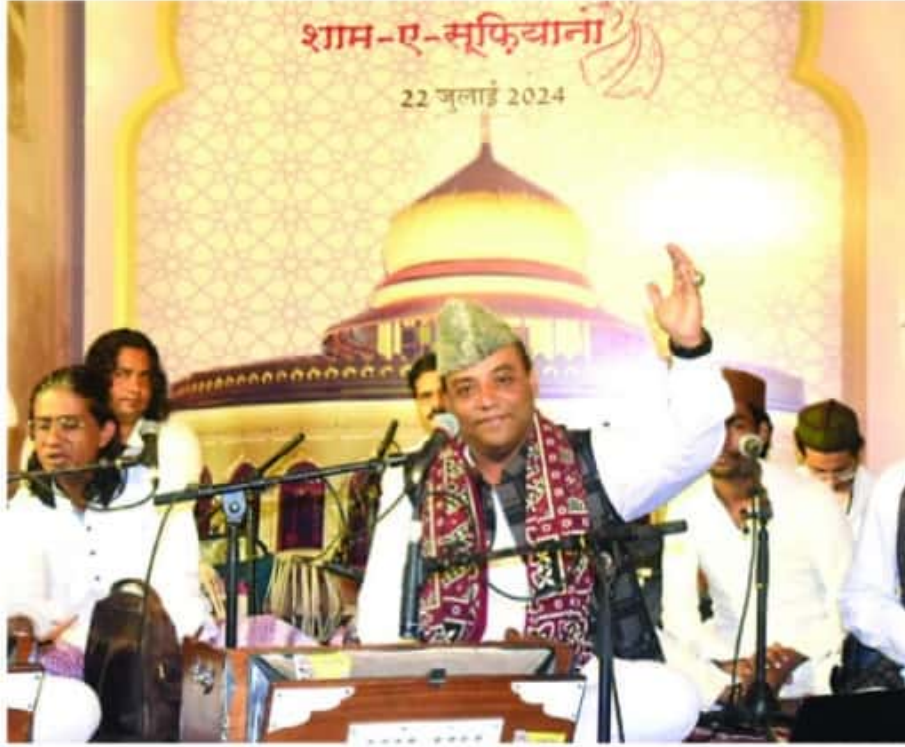
मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी निदेशक डॉ नुसरत मेहदी ने बताया कि मप्र संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग के तत्वावधान में फुलवारी के अंतर्गत शाम-ए-सूफियाना में कव्वाली एवं भोपाल हाट का आयोजन किया गया था। आयोजन में संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय का विशेष सहयोग रहा। डॉ मेहदी ने कहा कि मध्य प्रदेश शासन भाषा, साहित्य, संस्कृति, कला, शिल्पकला, दस्तकारी, महिला सशक्तिकरण, रोजगार इत्यादि के विकास एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। अतः कलाकारों को मंच भी मिले और लोग प्रदेश की ऐतिहासिक विरासतों के महत्व व उनके संरक्षण के प्रति जागरूक भी हों, इस उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए गोलघर में सूफियाना कव्वाली व हाट का आयोजन किया गया है। उपरोक्त उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा शाम ए सूफियाना कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुकर्रम वारसी व साथियों द्वारा सूफियाना कव्वाली की प्रस्तुति की गई एवं भोपाल के कारीगरों द्वारा स्टॉल लगाकर अपने हुनर का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय की ओर से पुरातत्व विद डॉ अहमद अली विशेष रूप से उपस्थित थे।

नवदुनिया

भोपाल, सोमवार, 22 जुलाई, 2024

गोलघर में आज सजेगी कव्वाली की महफिल

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी के तत्वावधान में फुलवारी के अंतर्गत शाम-ए-सूफियाना में कव्वाली का आयोजन 22 जुलाई को शाम 7:30 बजे भोपाल की ऐतिहासिक धरोहर गोलघर, शाहजहांनाबाद में किया जाएगा। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी की निदेशक डा नुसरत मेहदी ने बताया कि शाम ए सूफियाना इस बार कव्वाली पर आधारित है, जिसमें प्रख्यात कव्वाल हाजी मुकर्रम वारसी कव्वाली की प्रस्तुति देंगे।



**मप्र उर्दू अकादमी द्वारा गोलघर में
सूफियाना कव्वाली का आयोजन**

'दिल-ए-उम्मीद तोड़ा'

■ भोपाल, लोकदेश रिपोर्ट

मप्र उर्दू अकादमी की ओर फुलवारी के अंतर्गत शाम-ए-सूफियाना में कव्वाली का गोलघर में किया गया। उर्दू अकादमी की निदेशक डा. नुसरत मेहदी ने कहा कि मप्र भाषा, साहित्य, संस्कृति, कला, शिल्पकला, दस्तकारी, महिला सशक्तिकरण, रोजगार इत्यादि के विकास एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है।

कलाकारों को मंच भी मिले और लोग प्रदेश की ऐतिहासिक विरासतों के महत्व व उनके संरक्षण के प्रति जागरूक भी हों। इस अवसर पर मुकर्रम वारसी व साथियों द्वारा सूफियाना कव्वाली की प्रस्तुति

की गई एवं भोपाल के कारीगरों ने स्टाल लगाकर अपने हुनर का प्रदर्शन किया गया।

मुकर्रम वारसी ने मन कुन्तो मौला... से प्रस्तुति की शुरुआत की। इसके बाद ताजदारे हरम हो निगाहे करम... को सुनाया तो उपस्थित श्रोताओं ने तालियों के साथ स्वागत किया। इसी क्रम में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु दर्शन की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में आगे बढ़ते हुए छाप तिलक सब छीनी रे मोसे नैना मिलाइ के..., नमी-दानम चे मंजिल बूद शब जाए कि मन बूदम..., कलाम पेश किए। वहीं दिले उम्मीद तोड़ा है किसी ने... से प्रस्तुति का समापन की।

मप्र उर्दू अकादमी द्वारा गोलघर में सूफियाना क़व्वाली आयोजित

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, म.प्र. संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग के तत्वावधान में फूलवारी के अंतर्गत शाम-ए-सूफियाना में क़व्वाली एवं भोपाल हाट का आयोजन 22 जुलाई 2024 को शाम 7:30 बजे भोपाल की ऐतिहासिक धरोहर गोलघर, शाहजहाँनाबाद, भोपाल में संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय के सहयोग से किया गया। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ नुसरत मेहदी ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि मध्य प्रदेश शासन भाषा, साहित्य, संस्कृति, कला, शिल्पकला, दस्तकारी, महिला सशक्तिकरण, रोजगार इत्यादि के विकास एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है अतः कलाकारों को मंच भी मिले और लोग प्रदेश की ऐतिहासिक विरासतों के महत्व व उनके संरक्षण के प्रति जागरूक भी हों इस उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति विभाग द्वारा पुरातत्व विभाग के सहयोग से भोपाल की ऐतिहासिक विरासत गोलघर में सूफियाना क़व्वाली व हाट का आयोजन किया गया है। उल्लेखनीय है कि पुरातत्व विभाग द्वारा गोलघर को बहु उद्देशीय कलाकेंद्र के रूप में विकसित किया जा



रहा है जिसका मुख्य उद्देश्य संगीत, महिलाओं का सशक्तिकरण, रोजगार तथा स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहन देना है। उपरोक्त उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए मध्यप्रदेश

उर्दू अकादमी द्वारा शामे सूफियाना कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुकर्रम वारसी व साथियों द्वारा सूफियाना क़व्वाली की प्रस्तुति की गई एवं भोपाल के कारीगरों द्वारा स्टॉल लगाकर अपने हुनर का प्रदर्शन किया गया।

महफ़िले क़व्वाली में मुकर्रम वारसी ने जो कलाम पेश किये वो निम्न हैं।

- 1- मन कुन्तो मौला
 - 2- ताजदारे हरम हो निगाहे करम
 - 3- गुरु पुर्णिमा के अवसर पर गुरु दर्शन की प्रस्तुति
 - 4- छाप तिलक सब छीनी रे मोसे नैना मिलाइ के
 - 5- नमी-दानम चे मंजिल बूद शब जाए कि मन बूदम
 - 6 - दिले उम्मीद तोड़ा है किसी ने
- कार्यक्रम के अंत में डॉ. नुसरत मेहदी ने सहयोग के लिए संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय का तथा सभी श्रोताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय की ओर से पुरातत्व विद डॉ अहमद अली विशेष रूप से उपस्थित रहे।

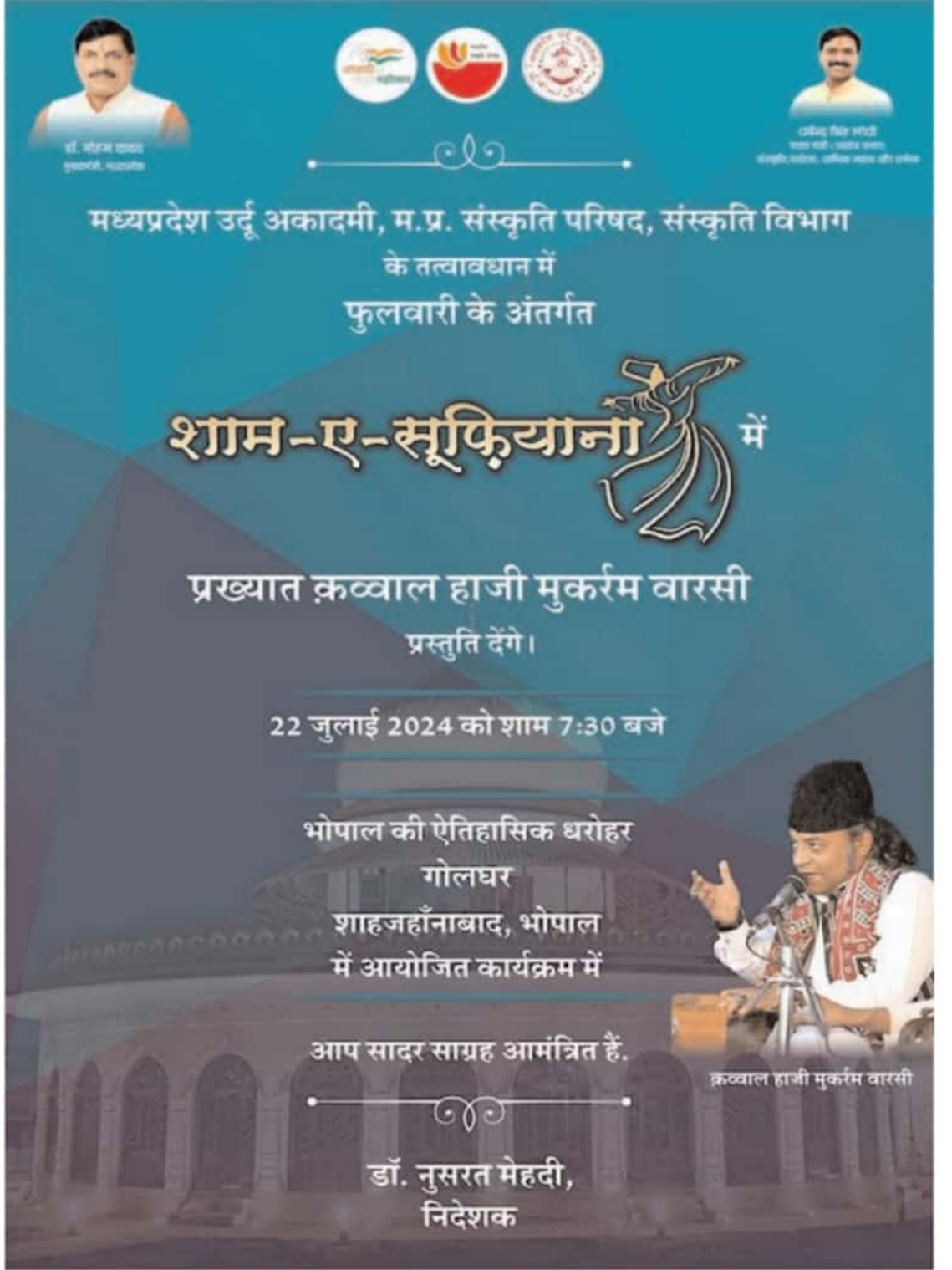
पिलातरी रक्षा की आशंका में गणराज्य बागेश्वर धाम में गरूपर्णिमा पर्व महाकाल की नगरी उज्जैन में पांच

22 जुलाई को गोलघर में सजेगी क़व्वाली की महफिल

मप्र उर्दू अकादमी द्वारा शामे सूफ़ियाना के तहत होगा आयोजन

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, म.प्र. संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग के तत्वावधान में फुलवारी के अंतर्गत शाम-ए-सूफ़ियाना में क़व्वाली का आयोजन 22 जुलाई 2024 को शाम 7:30 बजे भोपाल की ऐतिहासिक धरोहर गोलघर, शाहजहाँनाबाद, भोपाल में किया जायेगा। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ नुसरत मेहदी ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं कि मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी और संस्कृति विभाग साहित्य में ललित कलाओं के महत्व को महसूस करते हुए लगातार ऐसे कार्यक्रम करते आए हैं जिससे प्रदेश एवं देश के विभिन्न कलाकारों को मंच मिलता रहे और उन्हें अपनी योग्यता दिखाने का अवसर मिलता रहे। शाम ए सूफ़ियाना उसी सिलसिले की एक

महत्वपूर्ण कड़ी है। इस बार ये कार्यक्रम क़व्वाली पर आधारित है जिसमें प्रख्यात क़व्वाल हाजी मुकर्रम वारसी क़व्वाली की प्रस्तुति देंगे। डॉ. नुसरत मेहदी सभी साहित्य एवं कला प्रेमियों से कार्यक्रम में उपस्थित होने का आग्रह किया है।



मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, म.प्र. संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग के तत्वावधान में फुलवारी के अंतर्गत

शाम-ए-सूफ़ियाना में

प्रख्यात क़व्वाल हाजी मुकर्रम वारसी प्रस्तुति देंगे।

22 जुलाई 2024 को शाम 7:30 बजे

भोपाल की ऐतिहासिक धरोहर गोलघर शाहजहाँनाबाद, भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में

आप सादर साग्रह आमंत्रित हैं।

डॉ. नुसरत मेहदी, निदेशक

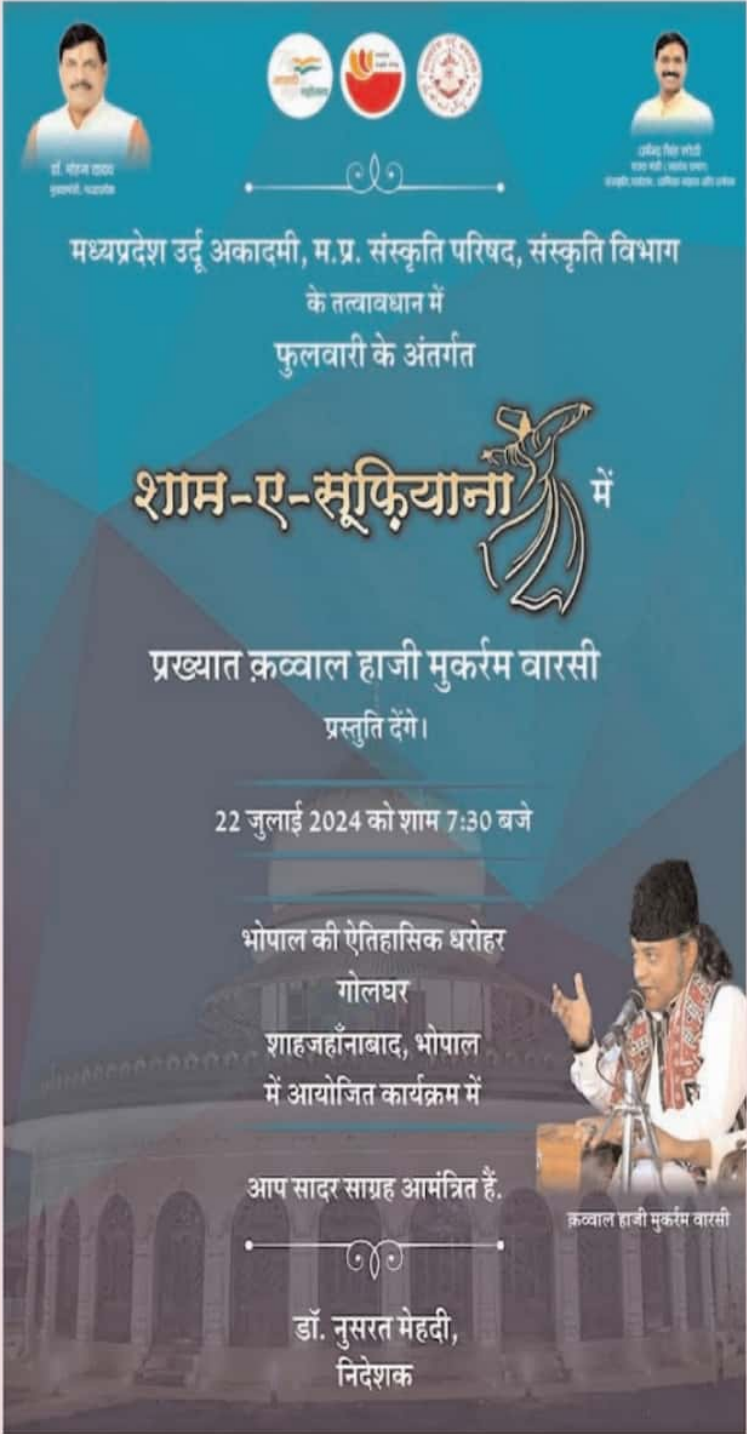
क़व्वाल हाजी मुकर्रम वारसी



मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा शामे सूफियाना के तहत गोलघर में होगा आयोजन

मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी, म.प्र. संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग के तत्वावधान में फुलवारी के अंतर्गत शाम-ए-सूफ़ियाना में क़व्वाली का आयोजन 22 जुलाई 2024 को शाम 7-30 बजे भोपाल की ऐतिहासिक धरोहर गोलघर, शाहजहाँनाबाद, भोपाल में किया जायेगा। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ नुसरत मेहदी ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं कि मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी और संस्कृति विभाग साहित्य में ललित कलाओं के महत्व को महसूस करते हुए लगातार ऐसे कार्यक्रम करते आए हैं जिससे प्रदेश

एवं देश के विभिन्न कलाकारों को मंच मिलता रहे और उन्हें अपनी योग्यता दिखाने का अवसर मिलता रहे। शाम ए सूफ़ियाना उसी सिलसिले की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इस बार ये कार्यक्रम क़व्वाली पर आधारित है जिसमें प्रख्यात क़व्वाल हाजी मुकर्रम वारसी क़व्वाली की प्रस्तुति देंगे। डॉ. नुसरत मेहदी सभी साहित्य एवं कला प्रेमियों से कार्यक्रम में उपस्थित होने का आग्रह किया है।



मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी, म.प्र. संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग के तत्वावधान में फुलवारी के अंतर्गत

शाम-ए-सूफ़ियाना में

प्रख्यात क़व्वाल हाजी मुकर्रम वारसी प्रस्तुति देंगे।

22 जुलाई 2024 को शाम 7:30 बजे

भोपाल की ऐतिहासिक धरोहर गोलघर शाहजहाँनाबाद, भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में

आप सादर साग्रह आमंत्रित हैं.

डॉ. नुसरत मेहदी, निदेशक

क़व्वाल हाजी मुकर्रम वारसी

نگر میں پیش آیا۔ آبی وسائل وزیر تلسی سلاوٹ اپنے چاراملی بنگلے سے حادثے کے بعد کارکو قبضے میں لے لیا۔

ایم پی اردو اکادمی کے زیر اہتمام گول گھر میں سچی قوالی کی محفل



استحکام کاری، روزگار اور مقامی کاریگروں کو ترغیب دینا ہے۔

مندرجہ بالا مقاصد کو مدنظر رکھتے ہوئے ایم پی اردو اکادمی کے زیر اہتمام یہ پروگرام منعقد کیا گیا جس میں مکرم واری اور ساتھی فنکاروں کے ذریعے صوفیانہ قوالی کی پیشکش دی گئی اور بھوپال ہاٹ میں بھوپال کے کاریگروں کے ذریعے اسٹال لگا کر اپنے ہنر کا مظاہرہ کیا گیا۔ پروگرام کے آخر میں ڈاکٹر نصرت مہدی نے محکمہ آثارِ قدیمہ اور تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔ اس موقع پر محکمہ آثارِ قدیمہ کی طرف سے ماہر آثارِ قدیمہ ڈاکٹر احمد علی موجود رہے۔

دستکاری، خواتین استحکام کاری، روزگار وغیرہ کے فروغ کے لیے کوشاں ہے۔ اس لیے فنکاروں کو اسٹیج بھی ملے اور لوگ ریاست کی تاریخی ورثوں کی اہمیت اور ان کی حفاظت کے تئیں بیدار بھی ہوں اس مقصد کو مدنظر رکھتے ہوئے مدھیہ پردیش اردو اکادمی، محکمہ ثقافت کے ذریعے محکمہ آثارِ قدیمہ کے تعاون سے بھوپال کی تاریخی وراثت گول گھر میں صوفیانہ قوالی اور بھوپال ہاٹ کا انعقاد کیا گیا ہے۔

واضح ہو کہ محکمہ آثارِ قدیمہ گول گھر کی کثیر المقاصد مرکز فن کے طور پر توسیع کی جا رہی ہے جس کا خاص مقصد موسیقی، خواتین

بھوپال، 23 جولائی (پریس نوٹ) مدھیہ پردیش اردو اکادمی، سنسکرتی پریشد، محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام پھلواری کے تحت شام صوفیانہ میں ”محفل قوالی“ کا انعقاد گزشتہ روز شام ساڑھے سات بجے بھوپال کی تاریخی وراثت گول گھر، شاہجہاں آباد، بھوپال میں محکمہ آثارِ قدیمہ کے تعاون سے کیا گیا۔

پروگرام کی شروعات میں مدھیہ پردیش اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے پروگرام کے بارے میں بتاتے ہوئے کہا کہ مدھیہ پردیش حکومت جہاں زبان ادب، فن اور ثقافت، مجسمہ سازی،

مدھیہ پردیش اردو اکادمی کے زیر اہتمام گول گھر میں سچی قوالی کی محفل



الحیات نیوز سروس

بھوپال: مدھیہ پردیش اردو اکادمی، سنکرتی پریشد، محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام بھلواری کے تحت شام صوفیانہ میں ”محفل قوالی“ کا انعقاد ۲۲ جولائی، ۲۰۲۳ کو شام ۷:۳۰ بجے بھوپال کی تاریخی وراثت گول گھر، شاہجاں آباد، بھوپال میں محکمہ آثار قدیمہ کے تعاون سے کیا گیا۔ پروگرام کی شروعات میں مدھیہ پردیش اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے پروگرام کے بارے میں بتاتے ہوئے کہا کہ مدھیہ پردیش حکومت جہاں زبان ادب، فن اور ثقافت، مجسم سازی، دستکاری، خواتین استحکام کاری، روزگار وغیرہ کے فروغ کے لیے کوشاں ہے۔ اس لیے فنکاروں کو سٹیج تہی ملے اور لوگ ریاست کی تاریخی وراثتوں کی اہمیت اور ان کی حفاظت کے تئیں بیدار بھی ہوں اس مقصد کو مد نظر رکھتے ہوئے مدھیہ پردیش اردو

کارگروں کے ذریعے اسٹال لگا کر اپنے ہنر کا مظاہرہ کیا گیا۔ محفل قوالی میں مکرم وارثی نے جو کلام پیش کیے وہ درج ذیل ہیں۔ 1. من کنت مولا 2. تاجدار حرم ہونگاہ کرم 3. گرو پور نیما کے موقع پر گرو درشن کی پیشکش 4. چھاپ تلک سب چھینی رے مو سے نینا 5. نمی دانم چہ منزل بود شب جائے کہ من بودم 6. دل امید توڑا ہے کسی نے پروگرام کے آخر میں ڈاکٹر نصرت مہدی نے محکمہ آثار قدیمہ اور تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔ اس موقع پر محکمہ آثار قدیمہ کی طرف سے ماہر آثار قدیمہ ڈاکٹر احمد علی موجود رہے۔

اکادمی، محکمہ ثقافت کے ذریعے محکمہ آثار قدیمہ کے تعاون سے بھوپال کی تاریخی وراثت گول گھر میں صوفیانہ قوالی اور بھوپال ہاٹ کا انعقاد کیا گیا ہے۔ واضح ہو کہ محکمہ آثار قدیمہ گول گھر کی کثیر المقاصد مرکز فن کے طور پر توسیع کی جا رہی ہے جس کا خاص مقصد موسیقی، خواتین استحکام کاری، روزگار اور مقامی کارگروں کو ترغیب دینا ہے۔ مندرجہ بالا مقاصد کو مد نظر رکھتے ہوئے ایم پی اردو اکادمی کے زیر اہتمام یہ پروگرام منعقد کیا گیا جس میں مکرم وارثی اور ساتھی فنکاروں کے ذریعے صوفیانہ قوالی کی پیشکش دی گئی اور بھوپالی ہاٹ میں بھوپال کے

”مدھیہ پردیش اردو اکادمی کے زیر اہتمام گول گھر میں سچی قوالی کی محفل“

پروگرام منعقد کیا گیا جس میں مکرم وارثی اور ساتھی فنکاروں کے ذریعے صوفیانہ قوالی کی پیشکش دی گئی اور بھوپالی ہاٹ میں بھوپال کی کارنگروں کے ذریعے اسٹال لگا کر اپنے ہنر کا مظاہرہ کیا گیا۔ محفل قوالی میں مکرم وارثی نے جو کلام پیش کیے وہ درج ذیل ہیں۔

1۔ سن کنت مولا

2۔ تاجدار حرم ہو گا کرم

3۔ گرو پورنیا کے موقع پر گرو درشن کی پیشکش

4۔ چھاپ تک سب چھینی رے مو سے نینا

5۔ نمی دانم چہ منزل بود شب جائے کہ سن بودم

6۔ دل امید توڑا ہے کسی نے

پروگرام کے آخر میں ڈاکٹر نصرت مہدی نے محکمہ آثار قدیمہ اور تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔ اس موقع پر محکمہ آثار قدیمہ کی طرف سے ماہر آثار قدیمہ ڈاکٹر احمد علی موجود رہے۔



ہے جس کا خاص مقصد موسیقی، خواتین استحکام کاری، روزگار اور مقامی کارگروں کو ترغیب دینا ہے۔

مندرجہ بالا مقاصد کو مد نظر رکھتے ہوئے ایم پی اردو اکادمی کے زیر اہتمام یہ

ثقافت کے ذریعے محکمہ آثار قدیمہ کے تعاون سے بھوپال کی تاریخی وراثت گول گھر میں صوفیانہ قوالی اور بھوپال ہاٹ کا انعقاد کیا گیا ہے۔

واضح ہو کہ محکمہ آثار قدیمہ گول گھر کی کثیر المقاصد مرکز فن کے طور پر توسیع کی جارہی

بھوپال ۲۲ جولائی (پریس ریلیز) مدھیہ پردیش اردو اکادمی، سنسکرتی پریشد، محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام بھوپال کے تحت شام صوفیانہ میں ”محفل قوالی“ کا انعقاد ۲۲ جولائی، ۲۰۲۲ کو شام ۷-۸ بجے بھوپال کی تاریخی وراثت گول گھر، شاہجہاں آباد، بھوپال میں محکمہ آثار قدیمہ کے تعاون سے کیا گیا۔

پروگرام کی شروعات میں مدھیہ پردیش اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے پروگرام کے بارے میں بتاتے ہوئے کہا کہ مدھیہ پردیش حکومت جہاں زبان ادب، فن اور ثقافت، مجسمہ سازی، دستکاری، خواتین استحکام کاری، روزگار وغیرہ کے فروغ کے لیے کوشاں ہے۔ اس لیے فنکاروں کو اسٹیج بھی ملے اور لوگ ریاست کی تاریخی وراثتوں کی اہمیت اور ان کی حفاظت کے تئیں بیدار بھی ہوں اس مقصد کو مد نظر رکھتے ہوئے مدھیہ پردیش اردو اکادمی، محکمہ

مدھیہ پردیش اردو اکادمی نے محفل قوالی کا پروگرام کیا منعقد



بھوپال 22 جولائی (پریس ریلیز) مدھیہ پردیش اردو اکادمی، سنسکرتی پریشہ، محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام ایک شام صوفیانہ محفل قوالی کا انعقاد ۲۲ جولائی کو بھوپال کی تاریخی وراثت گول گھر، شاہجہاں آباد، بھوپال میں محکمہ آثار قدیمہ کے تعاون سے کیا گیا۔ پروگرام کی شروعات میں مدھیہ پردیش اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے پروگرام کے بارے میں بتاتے ہوئے کہا کہ مدھیہ پردیش حکومت جہاں زبان ادب، فن اور ثقافت، مجسمہ سازی، دستکاری، خواتین استحکام کاری، روزگار وغیرہ کے فروغ کے لیے کوشاں ہے۔ اس لیے فنکاروں کو اسٹیج بھی ملے اور لوگ ریاست کی تاریخی وراثتوں کی اہمیت اور ان کی حفاظت کے تئیں بیدار بھی ہوں اس مقصد کو مد نظر رکھتے ہوئے مدھیہ پردیش اردو اکادمی محکمہ ثقافت کے ذریعے محکمہ آثار قدیمہ کے تعاون سے بھوپال کی تاریخی وراثت گول گھر میں

فنکاروں کے ذریعے صوفیانہ قوالی کی پیشکش دی گئی اور بھوپالی ہاٹ میں بھوپال کیکار گھروں کے ذریعے اسٹال لگا کر اسے ہنر کا مظاہرہ کیا گیا۔ محفل قوالی میں مکرم داری نے جو کلام پیش کیا۔ پروگرام کے آخر میں ڈاکٹر نصرت مہدی نے محکمہ آثار قدیمہ اور تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔ اس موقع پر محکمہ آثار قدیمہ کی طرف سے ماہر آثار قدیمہ ڈاکٹر احمد علی موجود ہے۔

صوفیانہ قوالی اور بھوپال ہاٹ کا انعقاد کیا گیا ہے۔ واضح ہو کہ محکمہ آثار قدیمہ گول گھر کی کثیر المقاصد مرکز فن کے طور پر توسیع کی جا رہی ہے جس کا خاص مقصد موسیقی، خواتین استحکام کاری، روزگار اور مقامی کارگروں کو ترقی دینا ہے۔ مندرجہ بالا مقاصد کو مد نظر رکھتے ہوئے ایم پی اردو اکادمی کے زیر اہتمام یہ پروگرام منعقد کیا گیا جس میں مکرم داری اور ساتھی

روزنامہ اردو ایکشن

Daily Urdu action

Daily Urdu Action Bhopal & Burhanpur

Page No:08

Date 23/07/2024

मप्र उर्दू अकादमी द्वारा गोलघर में सूफ़ियाना क़व्वाली आयोजित

भोपाल म.प्र.

مدھیہ پردیش اردو اکادمی کے زیر اہتمام گول گھر میں سچی قوالی کی محفل

مدھیہ پردیش اردو اکادمی، سنسکرتی پریشدر، محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام پھلواری کے تحت



بھوپال: شام صوفیانہ میں " محفل قوالی " کا انعقاد 22 جولائی، 2024 کو شام 7:30 بجے بھوپال کی تاریخی وراثت گول گھر، شاہجہاں آباد، بھوپال میں محکمہ آثار قدیمہ کے تعاون سے کیا گیا۔ پروگرام کی شروعات میں مدھیہ پردیش اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے پروگرام کے بارے میں بتاتے ہوئے کہا کہ مدھیہ پردیش حکومت جہاں زبان ادب، فن اور ثقافت، مجسمہ سازی، دستکاری، خواتین استحکام کاری، روزگار وغیرہ کے فروغ کے لیے کوشاں ہے۔ اس لیے فنکاروں کو اسٹیج بھی ملے اور لوگ ریاست کی تاریخی

وراثتوں کی اہمیت اور ان کی حفاظت کے تئیں بیدار بھی ہوں اس مقصد کو مدنظر رکھتے ہوئے مدھیہ پردیش اردو اکادمی، محکمہ ثقافت کے ذریعے محکمہ آثار قدیمہ کے تعاون سے بھوپال کی تاریخی وراثت گول گھر میں صوفیانہ قوالی اور بھوپال ہاٹ کا انعقاد کیا گیا ہے۔ واضح ہو کہ محکمہ آثار قدیمہ گول گھر کی کثیر المقاصد مرکز فن کے طور پر توسیع کی جارہی ہے جس کا خاص مقصد موسیقی، خواتین استحکام کاری، روزگار اور مقامی کارگروں کو ترغیب دینا ہے۔ مندرجہ بالا مقاصد کو مدنظر رکھتے ہوئے ایم بی اردو اکادمی کے زیر اہتمام یہ پروگرام منعقد کیا گیا جس میں مکرم واری اور ساتھی فنکاروں کے ذریعے صوفیانہ قوالی کی پیشکش دی گئی اور بھوپالی ہاٹ میں بھوپال کیکارنگروں کے ذریعے

اسٹال لگا کر اپنے ہنر کا مظاہرہ کیا گیا۔ محفل قوالی میں مکرم واری نے جو کلام پیش کیے وہ درج ذیل ہیں۔
1. من کنت مولا
2. تاجدار حرم ہونگا کرم
3. گرو پورینا کے موقع پر گرو درشن کی پیشکش
4. چھاپ تلک سب چھینی رے مو سے نینا
5. نمی دائم چہ منزل بود شب جائے کہ سن بودم
6. دل امید توڑا ہے کسی نے
پروگرام کے آخر میں ڈاکٹر نصرت مہدی نے محکمہ آثار قدیمہ اور تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔ اس موقع پر محکمہ آثار قدیمہ کی طرف سے ماہر آثار قدیمہ ڈاکٹر احمد علی موجود رہے۔

مدھیہ پردیش اردو اکادمی نے محفل قوالی کا پروگرام کیا منعقد



فنکاروں کے ذریعے صوفیانہ قوالی کی پیشکش دی گئی اور بھوپالی ہاٹ میں بھوپال کی کارنگروں کے ذریعے اسٹال لگا کر اپنے ہنر کا مظاہرہ کیا گیا۔ محفل قوالی میں مکرم دارنی نے جو کلام پیش کیا۔ پروگرام کے آخر میں ڈاکٹر نصرت مہدی نے محکمہ آثار قدیمہ اور تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔ اس موقع پر محکمہ آثار قدیمہ کی طرف سے ماہر آثار قدیمہ ڈاکٹر احمد علی موجود رہے۔

صوفیانہ قوالی اور بھوپال ہاٹ کا انعقاد کیا گیا ہے۔ واضح ہو کہ محکمہ آثار قدیمہ گول گھر کی کثیر المقاصد مرکز فن کے طور پر توسیع کی جا رہی ہے جس کا خاص مقصد موسیقی، خواتین استحکام کاری، روزگار اور مقامی کارگروں کو ترغیب دینا ہے۔ مندرجہ بالا مقاصد کو مد نظر رکھتے ہوئے ایم پی اردو اکادمی کے زیر اہتمام یہ پروگرام منعقد کیا گیا جس میں مکرم دارنی اور ساتھی

بھوپال 22 جولائی (پریس ریلیز) مدھیہ پردیش اردو اکادمی، سنکرنی پریشد، محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام ایک شام صوفیانہ میں محفل قوالی کا انعقاد ۲۲ جولائی کو بھوپال کی تاریخی وراثت گول گھر، شاہجاں آباد، بھوپال میں محکمہ آثار قدیمہ کے تعاون سے کیا گیا۔ پروگرام کی شروعات میں مدھیہ پردیش اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے پروگرام کے بارے میں بتاتے ہوئے کہا کہ مدھیہ پردیش حکومت جہاں زبان ادب، فن اور ثقافت، مجسمہ سازی، دستکاری، خواتین استحکام کاری، روزگار وغیرہ کے فروغ کے لیے کوشاں ہے۔ اس لیے فنکاروں کو اسٹیج بھی ملے اور لوگ ریاست کی تاریخی وراثتوں کی اہمیت اور ان کی حفاظت کے تئیں بیدار بھی ہوں اس مقصد کو مد نظر رکھتے ہوئے مدھیہ پردیش اردو اکادمی، محکمہ ثقافت کے ذریعے محکمہ آثار قدیمہ کے تعاون سے بھوپال کی تاریخی وراثت گول گھر میں

مدھیہ پردیش اردو اکادمی کے زیر اہتمام گول گھر میں آج سبھی کی قوالی کی محفل

ثقافت کے زیر اہتمام پھلواڑی کے تحت شام صوفیانہ میں "محفل قوالی" کا انعقاد 22 جولائی 2024 کو شام 7:30 بجے بھوپال کی تاریخی وراثت گول گھر، شاہجہاں آباد، بھوپال میں ہوگا۔ اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے پروگرام کے بارے میں بتاتے ہوئے کہا کہ جیسا کہ آپ سبھی جانتے ہیں کہ مدھیہ پردیش اردو اکادمی اور محکمہ ثقافت ادب میں فنون لطیفہ کی اہمیت کو محسوس کرتے ہوئے لگاتار ایسے پروگرام کرتے آئے ہیں جس سے ریاست اور ملک کے مختلف فنکاروں کو اسٹیج ملتا رہے اور انہیں اپنی صلاحیت دکھانے کا موقع ملتا رہے۔ شام صوفیانہ اسی سلسلے کی ایک اہم کڑی ہے۔ اس بار یہ پروگرام قوالی پر مبنی ہے جس میں مشہور قوال حاجی مکرم وارثی قوالی پیش کریں گے۔ ڈاکٹر نصرت مہدی نے تمام محبان ادب و فن سے پروگرام میں شرکت کی درخواست کی ہے۔



بھوپال: مدھیہ پردیش اردو اکادمی، سنسکرتی پریشد، محکمہ

”مدھیہ پردیش اردو اکادمی کے زیر اہتمام گول گھر میں آج سبھی کی قوالی کی محفل“

تعمیر و ترمیم کے لیے

مدھیہ پردیش اردو اکادمی، سنسکرتی پریشڈ، محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام

پھلواڑی کے تحت

سنا صوفیانہ میں

معروف قوال حاجی مکرم وارثی

قوالی پیش کریں گے۔

۲۲ جولائی، ۲۰۲۳ کو شام ۷:۳۰ بجے

بھوپال کی تاریخی وراثت

گول گھر

شاہجہاں آباد، بھوپال میں منعقد پروگرام میں

مجان ادب و فن سے پروگرام میں شرکت کی درخواست کی ہے۔

بھوپال ۲۱ جولائی (پریس ریلیز) مدھیہ پردیش اردو اکادمی، سنسکرتی پریشڈ، محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام پھلواڑی کے تحت شام صوفیانہ میں "محفل قوالی" کا انعقاد ۲۲ جولائی، ۲۰۲۳ کو شام ۷:۳۰ بجے بھوپال کی تاریخی وراثت گول گھر، شاہجہاں آباد، بھوپال میں ہوگا۔ اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے پروگرام کے بارے میں بتاتے ہوئے کہا کہ جیسا کہ آپ سبھی جانتے ہیں کہ مدھیہ پردیش اردو اکادمی اور محکمہ ثقافت ادب میں فنون لطیفہ کی اہمیت کو محسوس کرتے ہوئے لگاتار ایسے پروگرام کرتے آئے ہیں جس سے ریاست اور ملک کے مختلف فنکاروں کو اسٹیج ملتا رہے اور انھیں اپنی صلاحیت دکھانے کا موقع ملتا رہے۔ شام صوفیانہ اسی سلسلے کی ایک اہم کڑی ہے۔ اس بار یہ پروگرام قوالی پر مبنی ہے جس میں مشہور قوال حاجی مکرم وارثی قوالی پیش کریں گے۔ ڈاکٹر نصرت مہدی نے تمام

गोलघर में कव्वाली और मानस भवन में होगी गुरु वंदना, नाटक-नृत्य का ले सकेंगे आनंद

गोलघर में कल सजेगी कव्वाली की महफिल मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी के तत्वावधान में फुलवारी के अंतर्गत शाम-ए-सूफियाना में कव्वाली का आयोजन 22 जुलाई को शाम 7:30 बजे भोपाल की ऐतिहासिक घरोहर गोलघर, शाहजहांनाबाद में किया जाएगा। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी की निदेशक डा. नुसरत मेहदी ने बताया कि शाम ए सूफियाना इस बार कव्वाली पर आधारित है, जिसमें प्रख्यात कव्वाल हाजी मुकर्रम वारसी कव्वाली की प्रस्तुति देंगे। आयोजन की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।















मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी,
म.प्र. संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग



डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

सहयोग : पुरातत्त्व अभिलेखागार
संस्कृति विभाग, धोराबा





